भारतीय समाज में शिक्षक

शिक्षक : अध्यापक शिक्षण प्रक्रिया का सच्चा सूत्रधार है। शिक्षक के व्यक्तित्व का बालकों के ऊपर अमिट प्रभाव पड़ता है और यह उनके भावी जीवन की नींव रखता है।

कहा गया है कि किसी समाज में अध्यापक का दर्जा उसके सामाजिक, सांस्कृतिक लोकाचार को प्रतिबिम्बित करता है।

प्राचीन काल के शिक्षक कैसे थे, आज के शिक्षक कैसे हैं, भावी शिक्षक कैसे होने चाहिए ?

प्राचीन काल में शिक्षक का समाज में बहुत ऊँचा स्थान था। समाज उन्हें आदर की दृष्टि से देखता था।

"गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वर,
गुरु साक्षात परम ब्रह्म।"

यथार्थ -

गुरु को ब्रह्मा, विष्णु, महेश और साक्षात परम ब्रह्म माना जाता था।

छात्रों के आचरण तथा जीवन पर शिक्षकों का गहरा प्रभाव था।

संस्कृत में कहा गया है -

"आचरति इति आचार्य"

अर्थात "जिसका आचरण किया जाय वह आचार्य है।"

शिक्षक की अवधारणा

Accreditation of Teacher

किसी भी शिक्षा पद्धति में अध्यापक का प्रमुख स्थान होता है। "समूची शिक्षा पद्धति अध्यापक के इर्द-गिर्द घूमती है।" (The whole system of education revolves around the teacher)

"अध्यापक के बिना स्कूल एक निर्जीव शरीर के समान है।" "वह विद्यार्थियों का आध्यात्मिक एवं बौद्धिक पिता है।"

"School is like a lifeless body without a teacher."

"He is the spiritual and intellectual father of the students"

वह विद्यार्थियों को अज्ञान के अन्धकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है और सभ्यता के दीपक को हमेशा प्रज्वलित रखता है।

वह विद्यार्थियों के शारीरिक, बौद्धिक, भावात्मक, सामाजिक, नैतिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है और वह विद्यार्थियों को पशुत्व से मनुष्यत्व की ओर ले जाता है।

यह अध्यापक ही है, जो किसी के जीवन को जीने योग्य बनाता है।

यह राष्ट्र का निर्माता होता है। उसका प्रभाव केवल किसी प्रदेश या प्रान्त तक ही सीमित नहीं होता बल्कि समूचे राष्ट्र में और राष्ट्र से भी बाहर विदेशों में फैला रहता है।

प्लेटो, अरस्तु, सुकरात, गुरु नानक, स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गाँधी जैसे महान् लोगों का समूचे विश्व में फैला हुआ है।

पश्चिमी और पूर्वी देशों के कई महान व्यक्तियों ने अध्यापकों की महानता को स्वीकार किया है।

मनु का विचार, भारत के प्राचीन मुनि

मनु ने कहा है,- "अध्यापक ब्रह्मा का रूप है, पिता प्रजापति का रूप है।

उन्होंने कहा है- "माता की भक्ति से बच्चा इस संसार को प्राप्त करता है, पिता की भक्ति से वह अन्तरिक्ष को प्राप्त करता है।"

"A Teacher is the Image of Brahma, a father is the Image of the earth----
By devotion to his mother, the child obtains this world, by the devotion of his father, it obtain heaven."

एक भारतीय प्रार्थना- "गुरु ब्रह्मा है, गुरु विष्णु है, महेश्वर है, वह समस्त ब्रह्मांड है, उसे प्रणाम है।"

"The teacher is Brahama, the creator, he is God vishnu, he is God Maheshwara- He is the entire universe, salutation (अभिवादन) to Him."

"An Indian Prayer"

कबीर का विचार —

"गुरु गोविन्द दोऊ खड़े काके लागूँ पांय ।
बलिहारी गुरु आपने जिन गोविंद दियो बताय ।।

"Teacher and God both are standing before me
Whom should I pay my obeisance?
I bow to you my teacher
Who guided me to God"

By Kabir

हुमायूँ कबीर का विचार :

"अध्यापक वास्तविक रूप से राष्ट्र के भाग्य निर्माता हैं।

"Teachers are literally the arbiters of a nation's destiny"

By Humayun Kabir

डॉ जाकिर हुसैन का विचार -

"निःसन्देह अध्यापक हमारे भविष्य का निर्माता है।"

"The teacher is indeed the architect of our future"

Dr. Zakir Hussain

दूसरी पंचवर्षीय योजना के निर्माता -

"हर युग में अध्यापक ही शिक्षा पद्धति का केन्द्र होता है। बुनियादी परिवर्तन तथा नवीनता के इस युग में तो यह विशेष रूप से सत्य है"।

In English

"At all times, the teacher is the pivot of the system of education. This is especially the case in a period of basic change and reorientation."

By Authors of the Second Five Year Plan

टिन्डाल का विचार -

"यदि कोई व्यवसाय अत्यन्त महत्वपूर्ण है तो मेरे विश्वास में वह स्कूल अध्यापक का है"।

"If there is any profession of a paramount Importance, I believe it is that of schoolmaster" By - Tyndall

सर जॉन एडम्स का विचार -

"अध्यापक मनुष्य का निर्माता है"।

"The teacher is maker of man"

By - Sir John Adam

M	T	W	T	F	S	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

MAY '19

Appointments

एच०जी० वल्स का विचार —

"अध्यापक ही इतिहास का वास्तविक निर्माता है"

"The teacher is the real maker of history."